आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)

भुक्रवार 28.02.2025 **समय 1830**

मुख्य समाचार :–

- **माणा गांव के पास हिमस्खलन की चपेट में आए 57 श्रमिक, 16 को किया गया रेस्क्यू। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून से ली हादसे की जानकारी ली, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश।**
- **गृह मंत्री अमित भााह ने कहा– हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना सरकार की प्राथमिकता।**
- **मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लापरवाह कार्मिकों की अनिवार्य सेवानिवृत्ति की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।**
- **राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रदेश में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार को बताया जरूरी।**
- **प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और निचले हिस्सों में बारिश से तापमान में आई गिरावट।**

माणा हिमस्खलन

चमोली जिले के सीमावर्ती माणा गांव के पास आज हिमस्खलन की चपेट में आए 57 श्रमिकों में से 16 को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है, जबकि शेष श्रमिकों की खोज के लिए आईटीबीपी, सेना, बीआरओ, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम जुटी हुई हैं। हालांकि खराब मौसम के कारण इसमें बाधा आ रही है। हादसे के दौरान सीमा सड़क संगठन– बीआरओ के श्रमिक सड़क संबंधी कार्य कर रहे थे। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। गृह मंत्री ने कहा कि हादसे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना सरकार की प्राथमिकता है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून स्थित आपदा परिचालन केंद्र से हादसे की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को रेस्क्यू अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। बीआरओ के कमांडेंट के अनुसार एसडीआरएफ की एक टीम जोशीमठ से रवाना हो चुकी है। दूसरी टीम को सहस्रधारा हेलीपैड पर अलर्ट पर रखा गया है। मौसम में सुधार होते ही एसडीआरएफ की हाई–एल्टीट्यूड रेस्क्यू टीम को हेलीकॉप्टर से निकटतम उपलब्ध स्थान पर उतारा जाएगा। एसडीआरएफ, जिला प्रशासन, बीआरओ और सेना के साथ समन्वय किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लापरवाह कार्मिकों पर सख्ती के निर्देश दिए हैं। आज देहरादून में उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ऐसे कार्मिकों को चिह्नित कर अनिवार्य सेवानिवृत्ति की नियमानुसार कार्यवाही की जाए। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकारी भूमि और कई मामलों में लोगों की व्यक्तिगत भूमि पर कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने विभिन्न अपराधों में लिप्त वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जाने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने त्योहारों के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को रोकने और बिजली चोरी रोकने के लिए सघन अभियान चलाने के भी निर्देश दिए।

न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल दौरा

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर के दौरे पर आए न्यूजीलैंड के एक विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने आंचल पशु आहार निर्माणशाला का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पशुपालकों को डेयरी उद्योग से जुड़ी अहम जानकारियां दीं। न्यूजीलैंड सरकार की प्राइमरी इंडस्ट्री मिनिस्ट्री, न्यूजीलैंड सरकार के सलाहकार प्रोफेसर गैरी उडी और पशुचिकित्सा वैज्ञानिक प्रोफेसर निकोलस ने पशुपालकों के साथ संवाद भी किया। प्रोफेसर गैरी उडी ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य पशुओं में जीन सुधार कर किसानों को लाभ पहुंचाना है। वहीं, सहायक निदेशक, डेयरी, राजेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि न्यूजीलैंड में दुग्ध उत्पादन बड़े स्तर पर होता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार और पशुपालन मंत्री के प्रयासों से हम भी उसी पद्धति को अपनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

योग महोत्सव

ऋषिकेश में कल से अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। गढ़वाल मण्डल विकास निगम और पर्यटन विभाग की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। निगम के महाप्रबंधक विशाल मिश्रा ने बताया कि योग महोत्सव में इस बार 20 हजार से अधिक योग साधकों के शामिल होने की उम्मीद है। 7 मार्च तक चलने वाले योग महोत्सव के दौरान हर दिन योगाचार्य प्रतिभागियों को योगाभ्यास कराएंगे। इस बार योग महोत्सव ग्रीन थीम पर आयोजित किया जा रहा है। इसलिए महोत्सव से पहले और बाद में आयोजन स्थल और गंगा तट पर विशेष सफाई अभियान संचालित किया जाएगा। वहीं, योग महोत्सव के जरिए योग साधकों और प्रशिक्षकों को स्वस्थ जीवनशैली का भी संदेश मिलेगा। आयोजन के दौरान योगिक डाइट उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही वैलनेस पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। श्री मिश्रा ने बताया कि योग महोत्सव के अवसर पर प्रतिभागियों के लिए शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक और संतुलित यौगिक भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। यह विशेष आहार योजना योग और आध्यात्मिकता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है,

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने राज्य में स्वास्थ्य पहलों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार और गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। आज देहरादून में आयोजित 'उत्तराखण्ड हेल्थकेयर इनोवेशन समिट' को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह समिट, प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने और पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप को मजबूत करने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा उत्तराखण्ड में टेलीमेडिसिन सेवाओं का विस्तार किया जाना जरूरी है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध हो सके। उन्होंने इस क्षेत्र में एम्स ऋषिकेश द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा। राज्यपाल ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना और अन्य स्वास्थ्य सुधार पहलों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से उत्तराखण्ड को लाभ मिल रहा है और राज्य सरकार इनका सफलतापूर्वक क्रियान्वयन कर रही है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने इस सम्मेलन के माध्यम से प्राप्त होने वाले सुझावों को भी आमंत्रित किया।

मौसम

प्रदेश में चारों धाम सहित अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और निचले हिस्सों में बारिश होने से तापमान में गिरावट आई है। चमोली जिले में माणा, मलारी, नीति घाटी, हेमकुण्ड साहिब और औली में बर्फबारी के साथ ही निचले क्षेत्रो में लगातार बारिश से जिले में कडाके की ठंड पड़ रही है। उत्तरकाशी जिले में हर्षिल, मुखबा और खरसाली सहित उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी हुई। वहीं, टिहरी जिले के गंगी, सुरकंडा देवी, खैट और सेम–मुखेम सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। जिला मुख्यालय नई टिहरी सहित चंबा, प्रतापनगर, घनसाली, नरेंद्रनगर और थत्यूड़ आदि क्षेत्रों में जमकर बारिश हुई। जिले के जाखणीधार विकासखंड जाखणी के मंदार गांव में एक मकान के आंगन के भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त होने से मकान को खतरा हो गया है। वहीं, बारिश और बर्फबारी से किसानों के चेहरे भी खिल गए हैं। गेहूं, जौ, मटर की फसलों और फलदार पेड़ों के लिए यह काफी लाभकारी बताई जा रही है। हालांकि, बारिश से ग्रामीण इलाकों के पशु–पालकों को चारापत्ति लाने में परेशानियों का सामना करना पड़ा। चम्पावत जिले में लगातार हो रही बारिश से आम जन–जीवन प्रभावित हो गया है। हालांकि लम्बे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों पर रौनक आ गयी है।

यातायात डायवर्ट

चमोली जिले में बारिश के कारण बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नन्दप्रयाग भूस्खलन क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही कल शाम पांच बजे तक प्रतिबंधित की गई है। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी ने बताया कि इस अवधि में वाहनों की आवाजाही नन्दप्रयाग–कोठियासैंण–चमोली–गोपेश्वर मोटर मार्ग से की जाएगी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा है।

उद्यमिता कार्यक्रम समापन

नई टिहरी के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन हो गया। इस अवसर पर आईआईएम काशीपुर के इनक्यूबेशन सेंटर से पांच लाख की सहायता राशि प्राप्त करने वाली छात्रा जैनब को इस मौके पर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है।

मॉक ड्रिल

भूकंप और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने आपदा प्रबंधन के साथ मिलकर मॉक ड्रिल किया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग को विषम परिस्थितियों से त्वरित निपटने के लिए ठोस तैयारियों के निर्देश दिए। मॉक ड्रिल का उद्देश्य जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखना था।